SHRI S. S. KOTHARI : What are the qualifications of the Director-General of Technical Development and what are the indistries which have particularly progressed under his guidance or due to his efforts or the efforts of his department ? Is there any particular industry which has recorded spectacular progress ?

SHRI RAGHUNATH REDDI : As far as his technical qualifications are concerned, I cannot immediately give the answer.

SHRI S. S. KOTHARI : Is he a technical person ?

SHRI RAGHUNATH REDDI : Yes.

SHRI S. S. KOTHARI : What is his qualification ?

SHRI RAGHUNATH REDDI : He has got a doctorate in technology. There cannot be a higher technical qualification than a doctorate. As far as the field of operation is concerned, he would go into the technica l aspects of industries like automobiles, construction equipments, automobile ancillaries, agro industries, heavy mechanical engineering industries, light mechanical engineering industries, scientific instruments, medical instruments, heavy electrical engine ring industries, light electrical engineering industries, industrial machineries other than jute and textile machineries, light mechanical engineering industries, ferrous industries, non-ferrous industries, machine tools, cutting tools and hand tools, civil armaments, alkalis and allied industries.

MR. SPEAKER : He is reading a big list.

SHRI S. S. KOTHARI : Is there alloy steel in the list ?

SHRI RAGHUNATH REDDI : There are 39 items which are dealt with by this department.

MR. SPEAKER : Next question.

IMPORT OF NYLON BY STC

*851. SHRI S. M. BANERJEE : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that scathing criticism has been made about the functioning of the S.T.C. as regards their latest deal with foreign countries in importing Nylon;

(b) whether any investigation has been made into this deal; and

(c) if so, the result thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) to (c). The Hon'ble Member is presumably referring to an article in a weekly news magazine regarding S.T.C.'s nylon deals and the alleged loss in foreign exchange incurred by them. The report particularly referred to the contracts concluded by S.T.C. with Japan and Italy for import of nylon yarn. It has been examined by S.T.C. again and it is found that there is no substance in the criticism.

SHRI S. M. BANERJEE : Apart from what has appeared in the article, is it a fact that some letters were issued to the Chairman of the STC, bringing to his notice that the price at which this nylon was purchased was far more than the actual price which was offered by other foreign suppliers from other foreign countries ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : The price of nylon varies from denier to denier —nylon starts from 15 denier up to 100 deniers. The price offered by the suppliers was Rs. 100 per lb. of 15 deniers. The price subsequently given by the STC was Rs. 85. Likewise, for other deniers also the prices quoted by the supplier were substantially reduced by STC. We have compared the figures of the prices which STC paid and they compare favourably with the international price of nylon.

SHRI S. M. BANERJEE : May I know whether any global tenders were invited from other countries, apart from Japan, and if so what was the price which the other countries offered and what is the variation ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : Nylon is being supplied under the aid arrangements also. We can get nylon from Japan, United States, Italy and West Germany. We have seen that the prices which we have paid compare favourably with the prices which the other countries have quoted.

श्री बसवन्त : नायलौन का इम्पोर्ट हम ज्यादा करने लग गए हैं। मैं जानना चाहता हूं कि इसका कारण क्या है ? मैं यह भी

जानना चाहता हूं कि जो नायलोन हम इम्पोर्ट करते हैं उसकी परचेज प्राइस क्या है और बिक्री की कीमत क्या है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : क्योंकि नायलौन के धागे की यहां पर कमी है और कुछ अर्से तक रहेगी इसलिए नायलोन का आयात करना पड़ेगा ।

श्री हरदयाल देवगुण : सात करोड़ के पिछले साल ऊन के आयात के लिए आपने लाइसेंस दिये थे । उनमें से 25 परसेंट का प्रयोग नायलोन फाइबर और सिंथैटिक फाइबर मंगाने के लिए किया जा सकता था । क्या यह सच नहीं है कि सवा करोड़ रुपये का जो नायलोन आया उसका ठीक प्रकार से वितरण नहीं हुआ और कुछ बड़ी-बड़ी मिलें उस सारे नायलोन को हड़प कर गईं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : यह सारा मामला स्पीकर साहब आपकी इजाजत से एस्टीमेट्स कमेटी के हवाले किया गया है । इसके बारे में मेरे लिये कुछ कहना मौजूं नहीं होगा ।

SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : May I know the total quantity of nylon imported and whether it is sufficient for our needs ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : We have an allocation of abour Rs. 9 crores for the import of nylon yarn from different countries. The quantity received from West Germany is 571 tonnes, from Japan 298 tonnes, from USA 1,077 tonnes and from Italy 1,701 tonnes.

श्री हुकम चन्द कछवाय : नायलौन की हमारे देश में इस वक्त कितनी कमी है और कितना नायलोन इम्पोर्ट किया जाता है ? क्या इसको अपने यहां तैयार करने के लिए और कोई फैक्ट्री आप डालने वाले हैं ? जो इम्पोर्ट होता है इस समय देश में और जो भारी मात्रा में बाजार में बिकता है उससे पूर्ति नहीं होती है । मैं यह भी जानना चाहता हूं कि किस दाम पर यह कम्पनी से निकलता है और किस दाम पर बाजार में बिकता है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : हमारे यहां पर इस वक्त तक जो सिंथेटिक्स का प्रोडक्शन था वह 72 मिलियन किलोग्राम था और इस वक्त 86 मिलियन किलोग्राम हो गया है ।

श्री फ० गो० सेन : आयात करने वाले छः रुपये के० जी० से मंगाते हैं और 56 रुपये के० जी० पर यहां बेचते हैं क्या यह सही है यदि हां, तो ऐसा क्यों है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : जितना नायलोन आता है वह सब एस० टी० सी० के जरिये आता है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : दाम के बारे में मैंने पूछा था कि किस दाम पर कम्पनी से वह निकलता है और किस दाम पर बाजार में आ कर बिकता है ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : Is the hon. Member talking about nylon, rayon, viscose or other things?

श्री हुकम चन्द कछवाय : नायलोन के बारे में पूछ रहा हूं ।

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : जो आयात होता है वह सब एस० टी० सी० के जरिये होता है और वही उसकी कीमतें मुकर्रर करती है । जिन लोगों को नायलोन के इम्पोर्ट के लिए लाइसेंस दिये जाते हैं उसकी बिक्री की जो कीमतें हैं वह एस० टी० सी० ही मुकर्रर करती है ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : कोटा में भी नायलोन फैक्ट्री है । चूंकि नायलोन की मांग बहुत ज्यादा है इस वास्ते मैं जानना चाहता हूं इसकी प्रोडक्शन बढ़ाने के लिये सरकार क्या उपाय कर रही है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : नायलौन धागे की जो यहां पर पैदावार है उसको बढ़ाने के लिए नई-नई फैक्ट्रियां खोलने का प्रबन्ध किया गया है । उसके लिए और भी हर किस्म की मदद देनें के लिए हम तैयार हैं ।

श्री क० गो० सेन : मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया है।

MR. SPEAKER : He says that his question was not answered. Can you remember the question and answer it ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : Shri Damani's ?

MR. SPEAKER : No, not Shri Damani's. Anyway, do not worry; the questioner himself has forgotten it.

श्री मु० अ० खां : क्या मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि बम्बई की एक फर्म ने बाहर से जो नायलोन इम्पोर्ट हुआ था और जो बम्बई से एक्सपोर्ट करना था उसको बम्बई से न भेज कर मद्रास से उसको भेजने की कोशिश की थी और मद्रास की कस्टम्ज अथोरिटीज ने उसको सीज कर लिया था ? अगर इसकी जानकारी उनके पास नहीं है तो क्या वह जानकारी ले कर इसके बारे में बतायेंगे ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या इसमें सरकारी अफसर भी शामिल थे ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : यह बात बिल्कुल सही है और इस मामले को सी० बी० आई० के हवाले किया गया है।

श्री मु० अ० खां : क्या इसमें सरकारी अफसर भी शामिल थे ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : तहकीकात पूरी होने के बाद ही इसका पता चलेगा।

MR. SPEAKER : How can he say as to who is interested in it until the inquiry is completed ?

SHRI S. R. DAMANI: May I know from the hon. Minister whether the import of nylon is for industrial use or for civil consumption and, if it is for industrial use, for which industry it is going to be used and whether any substitute is being produced in the country which is in excess ? I would also like to know whether it is a fact that the STC has imported caustic soda which is in surplus and aluminium.... *(Interruption)*

MR. SPEAKER : Where does caustic soda come here ? The question is about nylon and you go to caustic soda.

SHRI S. R. DAMANI : I may be given a reply about nylon.

MR. SPEAKER : Next question.

INDIA ELECTRIC WORKS, CALCUTTA

*852. SHRI BENI SHANKER SHARMA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) when the management of the India Electric Works, Ltd., Calcutta was taken over by Government;

(b) whether accounts have been maintained year-wise since the take-over and if so, the profit or loss in this venture, year-wise;

(c) if the accounts have not been maintained the reasons therefor; and

(d) the production turned out in quantity as well as value, year-wise and the number of labour and other staff employed and the wages and remunerations paid to them ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI RAGHUNATH REDDI) : (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-2163/67].

श्री वेणी शंकर शर्मा : जो स्टेटमेंट सभा पटल पर रखा गया है उसको देखने से मालूम होता है कि यह कम्पनी पंखे और अन्य बिजली का सामान बनाती है। सदन इस बात को जानता है कि देश और विदेश में पंखों की बहुत ज्यादा मांग है। लेकिन जो स्टेटमेंट यहां रखा गया है उसे देखने से मालूम होता है कि पहले साल में 7 लाख 22 हजार का नफा हुआ था। उसके बाद के सालों में घाटा दिखाया गया है। 1962 में 16 लाख का घाटा था, 1963 में 11 लाख का था, 1964 में 8 लाख 14 हजार का घाटा था, 1965 में 14 लाख 55 हजार का घाटा था और 1966 में 35 लाख का घाटा हुआ था। देश और विदेश में पंखों की बड़ी मांग है और पंखे बनाने वाली कम्पनियों को काफ़ी मुनाफ़ा भी हो रहा है। उदाहरण के लिए उषा फ़ैन बनाने वाली कम्पनी, जै इंजीनियरिंग वर्क्स लि० को ही